2016

M. A.

1st Semester Examination

HINDI

Paper – HIN-102

(मध्यकालीन काव्य)

Full Marks : 40

Time : 2 Hours

The figures in the right-hand margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 12×2

क) गीति-काव्य की दृष्टि से 'विद्यापति-पदावली' की समीक्षा कीजिए।

ख) कबीर की भक्ति भावना पर प्रकाश डालिए।

ग) पठित पाठ के आधार पर तुलसीदास के काव्य सौष्ठव पर प्रकाश डालिए।

घ) पठित पाठ के आधार पर मीरा की काव्य-चेतना पर प्रकाश डालिए।

2. किन्हीं **दो** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8×2

क) नंदक नंदन कदम्बेरि तरुतरे धिरे धिरे मुरलि बोलव ।
समय संकेत निकेतन बइसल बेरि बेरि बोलि पठाव ।
सामरी तोरा लागि अनुखने बिकल मुरारि ।
जमुनाक-तिर उपवन उदबेगल फिरि फिरि ततहि निहारि ।

ख) दुलहनीं गाबहु मंगलाचार,
हम घरि आये हो राजा रांम भरतार ।
तन रत करि मैं मन रत करि, पचतत बराती ।
रांमदेव मोरै पांहुनै आये, मैं जोबन मैं माती ॥

ग) अँखिया हरि दरसन की भूखी ।
कैसे रहैं रूपरस राची ये बतिया सुनि रूखी ।
अवधि गनत इकटक मग जोवत तब एती नहिं सुखी ।
अब इन जोग संदेसा ऊँधो अति अकुलानी दूखी ॥

घ) हीन भएँ जल मीन अधीन, कहा कछु मो अकुलानि-समानै ।
नीर सनेही कों लाय कलंक, निरस ह्वै कायर त्यागत प्रानै ।
प्रीति की रीति सु क्यों समुझै जड़, मीत के पानि को प्रमानै ।
या तन की जु दसा घनआनंद, जीव की जीवनि जान ही जानैं ।

—०—